हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 103 देहरादून, शनिवार, 08 अक्टूबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

किसकी इजाज़त से चल रहे अवैध रिसोर्ट ?
सख्त जांच के आदेश : सतपाल महाराज 7

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

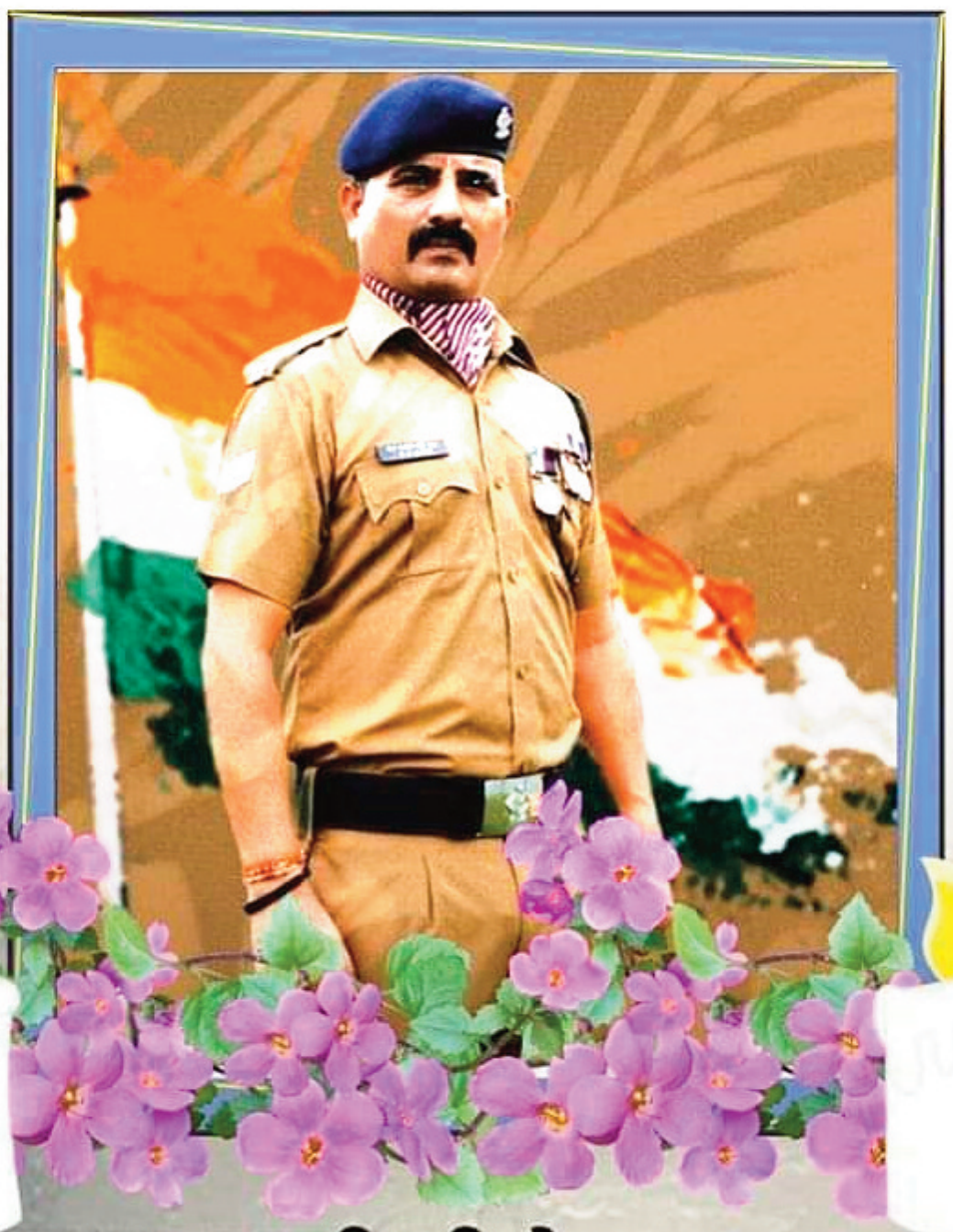

मुख्य आरक्षी श्री वेद प्रकाश भट्ट
स्पेशल टास्क फोर्स,उत्तराखंड पुलिस

उत्तराखंड पुलिस परिवार की स्पेशल टास्क फोर्स में तैनात जवान वेद प्रकाश भट्ट का दिनांक 06.10.22 को अचानक स्वास्थ्य खराब होने के कारण 39 वर्ष की उम्र में देहावसान हो गया। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें एवं शोक संतप्त परिवार को इस दुख की घड़ी को सहने की शक्ति प्रदान करें।

दैनिक न्यूज़ वायरस परिवार, देहरादून

हिमस्खलन पर हरदा की व्यथा, साभार फेसबुक वॉल से

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 7 अक्टूबर। द्रोपदी_डांडा एक ऐसा सब पीक है, जहां माउंटेनियरिंग के एडवांस ट्रेनीज को ट्रेनिंग दी जाती है और वर्षों से यह काम होता आया है।

इस बार जो एवलांच वहां आया वह एक दुर्भाग्यपूर्ण अपवाद है। जिसने कई होनहार प्रशिक्षकों को ही नहीं बल्कि प्रशिक्षक गणों को भी जिनमें एवरेस्ट की बहुत कम समय में विजय हासिल करने वाली सविता जैसी ट्रेनीज से लेकर और ट्रेनीज भी हैं, उनको निम, उत्तराखंड और देश ने खो दिया है।

केदारनाथ जी के चौराबाड़ी क्षेत्र में भी 3 बार इस तरीके का एवलांच आ चुका है, और भी क्षेत्रों से इस तरीके की सूचनाएं आ रही हैं। एक असामान्य डेवलपमेंट है और असामान्य डेवलपमेंट तो अक्टूबर में हो रही मूसलाधार बारिश भी है। कई स्थानों पर ऐसी मूसलाधार बारिश हो रही है, जो सावन, भादो की झड़ी को माफ कर दे रही हैं। जलवायु परिवर्तन, उत्तराखंड के लिए एक बड़ी चुनौती हैं, क्योंकि हम नए हिमालय हैं। अभी यहां के पहाड़ स्थिर नहीं हुए हैं। हिमाचल और दूसरे हिमालयी क्षेत्रों की तुलना में हम नए हैं और इसलिए भूस्खलन आदि की घटनाएं बहुत हो रही हैं। ग्लेशियर टूटने की घटनाएं निरंतर बढ़ रही हैं। विकास हमारी आकांक्षा है। मगर जिस प्रकार से चारधाम यात्रा सुधार मार्ग को केंद्र और राज्य सरकार ने ₹पहाड़ काटो-पैसा बनाओ₹ अभियान में बदल दिया है और अब जिन स्थानों पर टनल की डीपीआर नहीं भी है, चाहे वह रेलवेज हो या नेशनल हाईवे अथॉरिटी हो, वहां टनल बनाई जा रही हैं। अंडर ग्राउंड पार्किंग के लिए भी कहा जा रहा है कि हम टनल का सहारा लेंगे। विस्फोटक पदार्थों का बड़े पैमाने पर उपयोग हो रहा है। प्रकृति चेतावनी दे रही है, हम कहीं उसको अनसुना करके गलती तो नहीं कर रहे हैं, इस पर एक विहंगम विचार की आवश्यकता है। कांग्रेस के शासनकाल में पर्यावरणविद अत्यधिक जागरूक थे। लेकिन मोदी जी के कार्यकाल में वह भी सम्मोहित स्थिति में हैं।

नैनीताल में खराब पड़ी तीन टावर घड़ियों की मरम्मत का काम शुरू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 07 अक्टूबर । लेक टाउन में तीन खराब पड़े टावरों की मरम्मत का काम शुरू हो गया है. ब्रिटिश काल में नैनीताल के सीआरएसटी भवन, नगर पालिका और कलेक्ट्रेट भवन में टावर घड़ियां लगाई गई थीं। कस्बे के निवासियों और विरासत के प्रति उत्साही लोगों की मांग के बाद, जिला प्रशासन ने मरम्मत शुरू की। डीएम धीरज गरब्याल ने कहा कि मरम्मत के कुछ महीनों में पूरा होने की उम्मीद है। मरम्मत की जिम्मेदारी इंडियन टावर क्लॉक कंपनी को सौंपी गई है। तीनों घड़ियाँ देखभाल की कमी के कारण लंबे समय से खराब थीं और केवल इमारतों की शोभा बढ़ा रही थीं और उनका कोई कार्यात्मक उपयोग नहीं था। गरब्याल ने कहा कि इन दिनों जो पहला

टावर सीआरएसटी स्कूल में लगाया जा रहा है, उसके बाद बाकी दो टावर क्लॉक को ठीक किया जाएगा। सबसे पुरानी घड़ी 1889 में CRST में लगाई गई थी।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हरिद्वार में डूबे यूपी के दो लड़के

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार, 07 अक्टूबर । 17 साल की उम्र के दो लड़के, जो यूपी के चित्रकूट के मूल निवासी थे और वर्तमान में दिल्ली में काम कर रहे हैं, गुरुवार को हरिद्वार में विसर्जन अनुष्ठान के दौरान अपने समूह के एक अन्य युवक को बचाने की कोशिश में नदी में डूब गए। पुलिस ने कहा कि 10-12 लोगों का एक समूह, दिल्ली के ज्वालापुरी पीवीसी बाजार से सभी दिहाड़ी मजदूर, दुर्गा मूर्ति विसर्जन के लिए हरिद्वार आए थे और दोनों लड़के भी समूह का हिस्सा थे।एसएचओ (शहर) रकेंद्र सिंह काठियात ने बताया, ₹मूर्ति विसर्जन के दौरान 18 वर्षीय करण सिंह नदी की धारा में बह गया था। उसे डूबता देख दो अन्य लड़के अरविंद कुमार और अभिषेक कुमार पानी में कूद गए। उसे बचाओ। करण बच गया लेकिन अरविंद और अभिषेक डूब गए।₹ एसएचओ ने कहा, ₹दो किशोरों के शव नदी से निकाले गए हैं।दोनों यूपी के चित्रकूट के रहने वाले थे

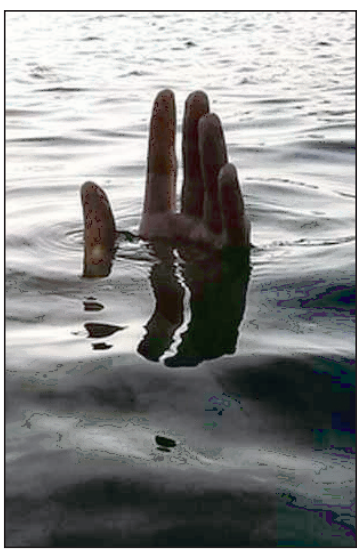

और दिल्ली के ज्वालापुरी पीवीसी मार्केट में रहते थे.' शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है।वह व्यक्ति यूपी के बिजनौर का रहने वाला था।

हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 103 देहरादून, शनिवार, 08 अक्टूबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

महिला सुरक्षा एवं महिला सशक्तिकरण की दिशा में विशेष ध्यान दिया जाए : मुख्यमंत्री

5

द्रौपदी का डांडा में अचानक आए एवलांच में शवों की संख्या बढ़कर 26

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 7 अक्टूबर। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में बीते मंगलवार चार अक्टूबर को ऐसा हुआ जिससे 29 लोगों के घर में शांति छा गए। आपको बता दे उत्तरकाशी में हजारों फीट ऊंचाई पर स्थित द्रौपदी का डांडा में अचानक आए एवलांच में 29 पर्वतारोही फंस गए. घंटों चले ऑपरेशन के बाद इन पर्वतारोहियों में से 26 के शव बरामद कर लिए गए हैं. अभी भी बर्फ में कई जिंदगियां दबी हुई हैं. इस घटना को 80 घंटे से ज्यादा गुजर चुके हैं लेकिन अब तक रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा नहीं हुआ है. जिसमे अभी तक 10 लोगों के फंसे होने की आशंका है. विस्तार में बताए तो नेहरू पर्वतारोहण संस्थान, द्वारा बेसिक और एडवांस कोर्स के trainee मंगलवार सुबह पर्वतारोहण की ट्रेनिंग के लिए द्रोपदी के डण्डा पहुंचे थे. 17,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित द्रौपदी का डांडा पर्वत चोटी पर हुए एवलांच में करीब 56 ट्रैकर्स फंस गए थे. एवलांच के बाद निम ने भी अपने स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जिस दौरान 4 अक्टूबर को 08 लोगों को घटनास्थल से सुरक्षित निकाल लिया गया है. अन्य फंसे हुए लोगों के रेस्क्यू हेतु SDRF, NDRF, NIM व अन्य बचाव इकाइयों द्वारा युद्धस्तर पर रेस्क्यू अभियान चलाया गया. 05 अक्टूबर को सुबह फिर से रेस्क्यू अभियान चलाते हुए 15 लोगों को घटनास्थल से रेस्क्यू कर हेलीकॉप्टर के माध्यम से मातली हेलीपैड पहुंचाया गया जहां से SDRF टीम द्वारा उन्हें उपचार हेतु मातली ITBP अस्पताल भर्ती कराया गया बताया गया है कि हादसे के बाद हिमस्खलन स्थल पर अभी तीन और पर्वतारोहियों की तलाश जारी है.SDRF, NDRF और ITBP के जवान बचाव अभियान में जुटे हुए हैं. 10 लोगों की तलाश युद्धस्तर पर जारी है. NDRF ITBP SDRF की टीमों द्वारा अभी तक रेस्क्यू चलाया जा रहा है

उत्तराखंड में रहेगी कुछ दिन और मूसलाधार बारिश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 7 अक्टूबर। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में भारी बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। राज्य के कई हिस्सों में आज भारी बारिश हो सकती है. इसे देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। आज आठ जिलों में स्कूल भी बंद रहेंगे। वरिष्ठ मौसम विज्ञानी विक्रम सिंह का कहना है कि बंगाल की खाड़ी से आ रही नम हवाओं के कारण कुमाऊं के कुछ जिलों में भारी बारिश की संभावना है. आपदा प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों के साथ-साथ भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी सतर्क रहना होगा. मौसम विभाग की ओर से जारी बारिश के अलर्ट के मद्देनजर शुक्रवार को कुमाऊं के पांच जिलों के स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है.

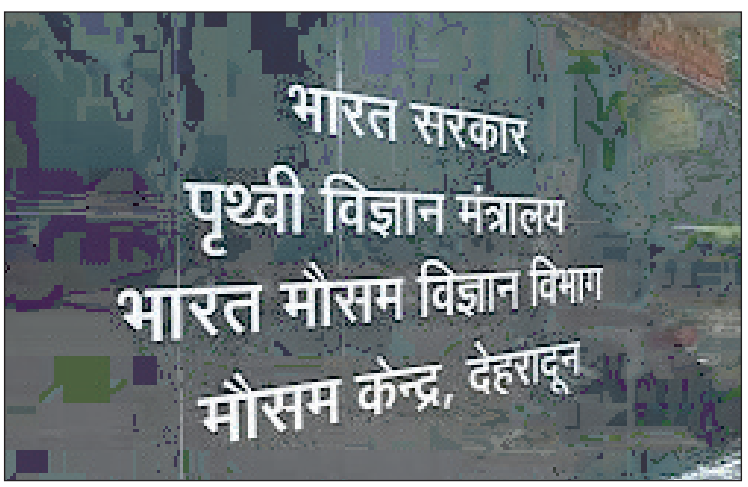

नैनीताल, चंपावत, अल्मोड़ा, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिला प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार कक्षा 1 से 12 तक के सभी सरकारी, गैर सरकारी स्कूल और आंगनबाडी केंद्र बंद रहेंगे. वहीं टिहरी, पौड़ी और उत्तरकाशी में भी स्कूल आज बंद रहेंगे. अगले तीन दिनों तक कुमाऊं और गढ़वाल क्षेत्र के ऊंचाई वाले इलाकों के साथ मैदानी इलाकों में कुछ जगहों पर हल्की बारिश की संभावना है.

मौसम की चेतावनी को देखते हुए नदियों, नालों के किनारे रहने वाले लोगों के साथ-साथ भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी सावधान रहने की जरूरत है। मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी से आ रही नम हवाओं और पश्चिमी विक्षोभ के एक बार फिर सक्रिय होने से कुमाऊं और गढ़वाल क्षेत्र में भारी बारिश की संभावना है. कुमाऊं क्षेत्र में भारी बारिश को देखते हुए सरकार, सरकार और राज्य आपदा प्रबंधनविभाग को रिपोर्ट भेज दी गई है.

उत्तराखंड में 73 वर्षीय व्यक्ति को जंबो ने कुचलकर मार डाला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 7 अक्टूबर। देहरादून के बाहरी इलाके बांसवाला इलाके में बुधवार को 73 वर्षीय एक व्यक्ति को हाथी ने कुचल कर मार डाला. ग्रामीणों के अनुसार घटना उस समय हुई जब वह आदमी कामों को चलाने के लिए जंगल के पास गया था। एक हाथी अचानक प्रकट हुआ और उस आदमी पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।मानव-वन्यजीव संघर्ष और पशु व्यवहार का अध्ययन करने वाले निवासियों और शिक्षाविदों के अनुसार, उत्तराखंड में जंबो-मानव संघर्ष के बढ़ते उदाहरणों के पीछे वन क्षेत्रों और नदी के किनारे के साथ-साथ जंगलों के माध्यम से सड़कों की बढ़ती संख्या के साथ तीव्र अतिक्रमण शीर्ष कारणों में से एक है। .

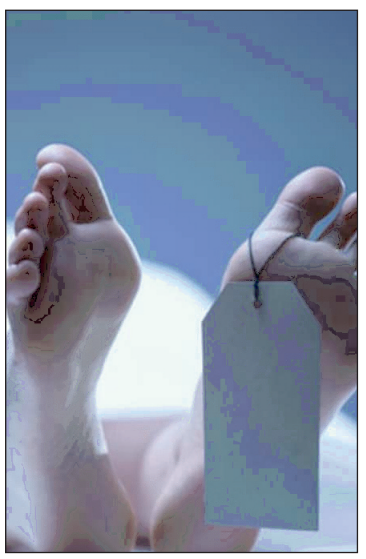

बड़ी खबर ! UPI ट्रांजेक्शन को लेकर RBI ने जारी की नई गाइडलाइंस, यहां देखें गाइडलाइन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा हाल ही में लिए गए निर्णय के अनुसार, रुपे क्रेडिट कार्ड के उपयोग पर 2,000 रुपये तक के लेनदेन के लिए UPI पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। आरबीआई की ओर से हाल ही में जारी सर्कुलर में इस संबंध में निर्देश दिए गए हैं।आपको बता दें कि सर्कुलर का आदेश 4 अक्टूबर से लागू हो गया है। रुपे क्रेडिट कार्ड पिछले चार साल से प्रचलन में है। इससे देश के सभी बड़े बैंक जुड़े हुए हैं। आरबीआई के सर्कुलर में कहा गया, 'ऐप पर क्रेडिट कार्ड को लिंक करने और यूपीआई पिन जनरेट करने की प्रक्रिया के लिए ग्राहक की सहमति की जरूरत होती है ताकि क्रेडिट कार्ड को सभी तरह के लेनदेन में सक्षम किया जा सके।' 2,000 या उससे कम, एनपीसीआई ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय लेनदेन के लिए ऐप की मौजूदा प्रक्रिया क्रेडिट कार्ड पर भी लागू होगी। इसने यह भी कहा कि इस श्रेणी के लिए 2,000 रुपये या उससे कम की लेनदेन राशि तक शून्य व्यापारी रियायती दर (एमडीआर) लागू होगी।आरबीआई की ओर से दी गई जानकारी में कहा गया

था कि यह सर्कुलर जारी होने की तारीख से लागू होगा. यानी यह नियम 4 अक्टूबर से लागू हो गया है। आरबीआई ने यह भी कहा कि सदस्यों से अनुरोध है कि वे इस पर ध्यान दें और इस परिपत्र की सामग्री को संबंधित हितधारकों के ध्यान में लाएं।आरबीआई के डिप्टी गवर्नर टी रविशंकर ने पहले कहा था, "क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से जोड़ने का उद्देश्य ग्राहक को भुगतान विकल्पों का व्यापक विकल्प प्रदान करना है। वर्तमान में UPI डेबिट कार्ड के माध्यम से बचत खातों या चालू खातों से जुड़ा हुआ है।

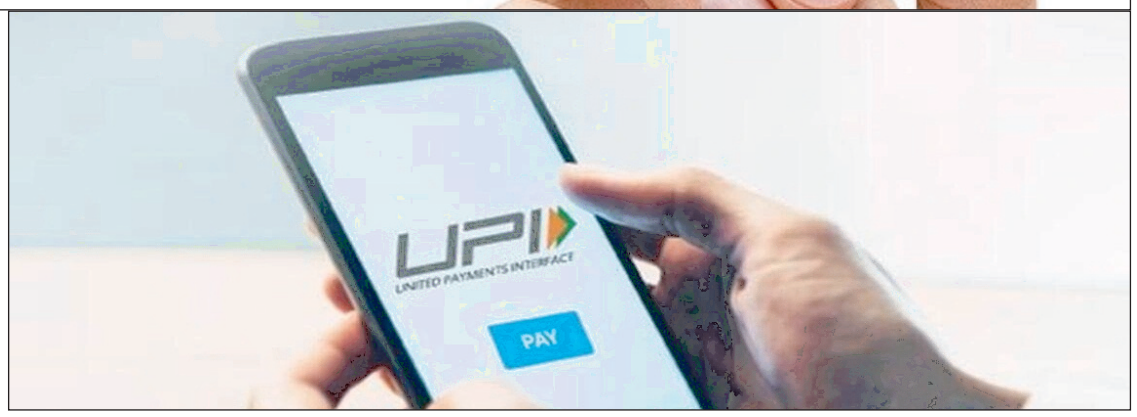

रुपया नवीनतम रिकॉर्ड निचले स्तर पर, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82 अंक टूटा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82 अंक को तोड़कर ग्रीनबैक के मुकाबले 82.22 के नए रिकॉर्ड निचले स्तर को छू गया। शुरुआती कारोबार में भारतीय मुद्रा 16 पैसे की गिरावट के साथ 82.33 के सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गई। इस कैलेंडर वर्ष में अब तक रुपया 10 प्रतिशत से अधिक गिर चुका है। अमेरिकी फेड के अधिकारियों द्वारा रातों-रात तीखे संदेशों के एक दौर के बाद रुपया की ताजा गिरावट शिकागो फेड के अध्यक्ष चार्ल्स इवांस ने कहा कि उनकी नीति दर 2023 के वसंत

तक 4.5 प्रतिशत से 4.75 प्रतिशत तक पहुंचने की संभावना है।

दूसरी ओर, मिनियापोलिस फेड के अध्यक्ष नील काशकारी ने संकेत दिया कि जब तक वित्तीय स्थिति यहां से काफी खराब नहीं हो जाती, तब तक फेड धुरी की कोई खबर नहीं हो सकती है। गुरुवार को भारतीय मुद्रा पहली बार ग्रीनबैक के मुकाबले 82 के स्तर से नीचे बंद हुई। यह अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 55 पैसे की गिरावट के साथ 82.17 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा, ऐसा लगता है कि भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) रिजर्व खर्च करने में रूढ़िवादी हो गया है, यह कहते हुए कि ये कारक रुपये को समायोजित करने का कारण बन रहे हैं।

किसकी इजाज़त से चल रहे अवैध रिसोर्ट ? सख्त जांच के आदेश : सतपाल महाराज

पर्यटन मंत्री महाराज ने प्रदेश के सभी होटल, होम स्टे, रिजॉर्ट की सूची तलब की

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 7 अक्टूबर। वनन्तरा जैसी पुर्नावृत्ति दोबारा न हो इसे देखते हुए राज्य में चल रहे सभी होटल, होम स्टे और रिजॉर्ट की गहनता से जांच कर उनके पंजीकरण व वहाँ होने वाली गतिविधियों पैनी निगाह रखी जाये।ये सख्त तेवर प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण, सिंचाई, लघु सिंचाई, ग्रामीण निर्माण, पंचायती राज, जलागम प्रबन्धन, संस्कृति, धर्मस्व मंत्री सतपाल महाराज ने पर्यटन सचिव सचिन कुर्वे को निर्देशित करते हुए दिखाए हैं। उन्होने कहा कि प्रदेश में जितने भी रिजॉर्ट होटल और होमस्टे चल रहे हैं उनमें कितने पंजीकृत हैं और कितने बिना पंजीकरण के चल रहे हैं उनकी सूची तत्काल उपलब्ध करवाई जाए।पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने सचिव पर्यटन को निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश में बिना पंजीकरण के अवैधानिक रूप से चल रहे रिजॉर्ट, होटल और होमस्टे किसकी इजाजत से चल रहे हैं इसकी जांच की जाए। उन्होने कहा कि उनके संज्ञान में आया है नदियों के किनारे बने रिजॉर्ट, होटल और होमस्टे में आने वाले कुछ अवांछित तत्व नदी के किनारे बैठकर मांस एवं मदिरा का सेवन करते हैं ऐसे लोगों के विरुद्ध भी कठोर कार्यवाही होनी चाहिए। मिनिस्टर महाराज ने नियम विरूद्ध नदियों के किनारे बनने वाले रिजॉर्ट, होटल और होमस्टे पर भी पर्यटन सचिव सचिन कुर्वे को कार्यवाही के लिए कहा है। रिजॉर्ट, होटल और होमस्टे पर चल रही दबिश की कार्यवाही पर उन्होने कहा कि पुलिस उन्ही रिजॉर्ट, होटल और होमस्टे पर दबिश दे रही है जिनका संचालन अवैध रूप से किया जा रहा है। पर्यटन मंत्री महाराज ने सचिव पर्यटन से कहा है कि वनन्तरा जैसी पुनरावृति दोबारा ना हो इसलिए प्रदेश में चल रहे सभी वैधानिक और अवैधानिक होटल, रिजॉर्ट और होमस्टे की सूची तत्काल तैयार की जाए और उनके पंजीकरण सहित सभी गतिविधियों पर नजर रखी जाये।

वनन्तरा जैसी पुर्नावृत्ति दोबारा न हो: महाराज

महिला सुरक्षा एवं महिला सशक्तिकरण की दिशा में विशेष ध्यान दिया जाए : मुख्यमंत्री

महिलाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने के लिए प्रभावी प्रयासों की जरूरत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में बैठक लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिये कि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा के साथ ही महिला सशक्तीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाए। महिलाएं रोजगार एवं स्वरोगार से अधिक संख्या में जुड़े, इस दिशा में सभी विभागों को मिलकर प्रयास करने हैं। महिला सशक्तिकरण एवं महिला सुरक्षा की दिशा में राज्य में इस तरह से प्रयास किये जाए कि देवभूमि का संदेश देशभर में जाए। यह निर्देश मुख्यमंत्री ने महिला श्रमिकों की सुरक्षा एवं सशक्तीकरण की बैठक के दौरान अधिकारियों को दिये। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि महिला कामगारों की सुरक्षा के लिए विभागीय स्तर पर भी ठोस योजना बनाई जाए। पुलिस हेल्प डेस्क और हेल्पलाईन नम्बर 112 को और मजबूत बनाया जाए। नियमों के तहत महिलाओं को जो मातृत्व अवकाश का प्राविधान है, यह सुनिश्चित किया जाए कि नियमानुसार सभी महिलाओं को ये सुविधाएं मिले। संस्थानों में भी महिलाओं के लिए हेल्प डेस्क बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी व्यवस्था की जाए कि विभिन्न संस्थानों में कार्य करने वाली महिलाओं के रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था हो। इसके लिए पुलिस, श्रम एवं संबंधित विभागों द्वारा सिस्टम विकसित किया जाए। महिला उत्पीड़न को रोकने के लिए जनपद स्तर पर गठित कमेटी की नियमित बैठकें हों। कार्य स्थल पर यौन उत्पीड़न की शिकायतों का प्रभावी निदान के लिए शी बॉक्स (सेक्सुअल हैरसमेंट इलेक्ट्रानिक बॉक्स) के बारे में आम जन को जानकारी हो, इसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विभाग टीम भावना से कार्य करें। अपने-अपने विभागों की कार्यप्रणाली में बेहतर सुधार हो, इस दिशा में सबको ध्यान देने की जरूरत है।

पुलिस हेल्प डेस्क और हेल्पलाईन नम्बर 112 को और मजबूत बनाया जाए

उन्होंने कहा कि बाल श्रम को रोकने के लिए और प्रभावी प्रयासों की जरूरत है। बैठक में डीआईजी श्री सेंथिल अबुदई कृष्णराज एस ने प्रस्तावित वन स्टॉप सॉल्यूशन एप का प्रस्तुतीकरण दिया । वन स्टॉप सॉल्यूशन ऐप के माध्यम से राज्य में संगठित एवं असंगठित क्षेत्र में कार्यरत महिलाएं नियुक्ति के समय अपना रजिस्ट्रेशन करा सकेंगी । कामकाजी महिलाओं के साथ ही औद्योगिक संस्थानों, कारखानों एवं नियोक्ताओं को भी अपने महिला कार्मिकों एवं श्रमिकों का रजिस्ट्रेशन वन स्टॉप सॉल्यूशन एप में करवाने हेतु प्रोत्साहित किया जाएगा ।इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी,डीजीपी श्री अशोक कुमार, एडीजी (लॉ एंड ऑर्डर) श्री वी. मुरूगेशन, सचिव श्री आर.मीनाक्षी सुंदरम, श्री दीपेन्द्र चौधरी, श्री एच. सी. सेमवाल, आईजी श्रीमती विमला गुंज्याल, डीआईजी श्री सेंथिल अबुदई कृष्णराज एस., अपर सचिव श्री आनन्द श्रीवास्तव, श्रीमती दीप्ति सिंह, श्री अतर सिंह, श्री जे.सी काण्डपाल एवं संबधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

कार्मिकों की हीलाहवाली अब हरगिज बर्दाश्त नहीं होगी : विधानसभा अध्यक्ष

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 8 अक्टूबर। उत्तराखंड की विधानसभा को देश में आदर्श विधान सभा के रूप में स्थापित किए जाने के लिए सभी कार्मिकों को प्रोफेशनल तरीके से काम करने की आवश्यकता है। सभी कार्मिक अपनी जिम्मेदारी को समझें एवं ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा से कार्य करें, यह सब बातें आज उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने विधानसभा के अधिकारियों की बैठक के दौरान कही। उन्होंने कहा कि विधानसभा की कार्य प्रणाली को दुरुस्त करना है तो सभी को मिलकर काम करना होगा।

उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ने अधिकारियों एवं कार्मिकों की कार्यप्रणाली को समझने के लिए अनुभाग अधिकारी एवं उससे ऊपर के अधिकारियों की बैठक विधानसभा भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में ली।

बता दें कि ऐसा बहुत कम ही हुआ होगा कि किसी विधानसभा अध्यक्ष ने अपने प्रत्येक अधिकारी से उसके कार्य की रिपोर्ट मांगी। विधानसभा अध्यक्ष ने विधानसभा को सशक्त बनाने के उद्देश्य से अधिकारियों के संग उनके कार्यों की समीक्षा की। इस अवसर पर सभी अनुभागों के अनुभाग अधिकारी, अनु सचिव, उपसचिव सहित समितियों में सभापतियो के साथ कार्य कर रहे निजी सचिव मौजूद रहे। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने अनुभाग अधिकारियों से उनके अनुभाग से संबंधित कार्यों की जानकारी ली। वहीं निजी सचिवों से समितियों की बैठकों के बारे में विस्तृत रूप में पूछा।

उन्होंने कहा कि समितियों की बैठक निरंतर होती रहे इसके लिए सभापतियों को पत्र लिख कर अवगत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जल्द ही सभी समितियों के सभापतियों के साथ एक सामूहिक बैठक करेंगी। विधानसभा अध्यक्ष ने सभी अधिकारियों को आपसी सामंजस्य बना कर कार्य करने की हिदायत दी। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि वह राजनीति से ऊपर उठकर उत्तराखंड के लिए समाज सेवा करना चाहती है विधानसभा में व्यवस्थाएं कैसे दुरुस्त हो उस ओर वह तेजी से कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की विधानसभा में ई ऑफिस, ई विधान सभा, ई लाइब्रेरी स्थापित की जायेगी। इस दौरान आगामी विधानसभा सत्र की तैयारियों को लेकर भी विधानसभा अध्यक्ष ने अधिकारियों से बातचीत की। इस अवसर पर प्रभारी सचिव हेम पंत, उप सचिव नरेन्द्र रावत, अनु सचिव मनोज कुमार, अनु सचिव हरीश चौहान, अनु सचिव नीरज गौड़, प्रमुख निजी सचिव अजय अग्रवाल, वरिष्ठ प्रमुख निजी सचिव राजेन्द्र चौधरी, भुवन मिश्रा, दिनेश राणा, अनुभाग अधिकारी विशाल शर्मा, हीरा सिंह, शशि, आरती, ऊषा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे

महामंडलेश्वर ब्रह्मलीन स्वामी प्रकाशानंद जी महाराज को श्रद्धांजलि : ऋतू खंडूरी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार 8 अक्टूबर। उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने हरिद्वार में कनखल स्थित जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी राजराजेश्वराश्रम महाराज के आश्रम पहुंच कर महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर राजराजेश्वराश्रम महाराज ने उत्तराखंड की प्रथम महिला विधानसभा अध्यक्ष बनने पर ऋतु खंडूड़ी को शुभकामनाएं दी साथ ही विगत दिनों घटित विधानसभा प्रकरण को लेकर भी वार्ता की। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष एवं जगद्गुरु शंकराचार्य के बीच उत्तराखंड के विकास से संबंधित विभिन्न समसामयिक विषय पर चर्चा हुई। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने महामंडलेश्वर ब्रह्मलीन स्वामी प्रकाशानंद जी महाराज की मूर्ति पर माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। विधानसभा अध्यक्ष ने आयोजित भंडारे में प्रसाद भी ग्रहण किया।

उत्तरकाशी में खराब मौसम की भविष्यवाणी के बीच पर्वतारोहण, ट्रेकिंग पर रोक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरकाशी में ट्रेकिंग और पर्वतारोहण टीमों की सुरक्षा को देखते हुए जिलाधिकारी अभिषेक रूहेला ने यहां की गतिविधियों को अगले तीन दिनों तक बंद रखने के निर्देश दिए. रूहेला ने उत्तरकाशी में 8 अक्टूबर (शनिवार) तक इन गतिविधियों पर रोक लगा दी है।भारत मौसम विज्ञान विभाग ने सोमवार को भविष्यवाणी की, ₹हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में अगले 2-3 दिनों के लिए तीव्र वर्षा शुरू होने की संभावना है और अगले 3-4 दिनों के दौरान पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। ₹ हाल ही में मंगलवार को उत्तरकाशी में द्रौपदी के डंडा-द्वितीय पर्वत शिखर पर नेहरू पर्वतारोहण संस्थान (एनआईएम) के लगभग 41 पर्वतारोहियों और प्रशिक्षुओं पर भीषण हिमस्खलन हुआ। इससे पहले दिन में, जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग के विशेषज्ञों की एक टीम राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और नेहरू पर्वतारोहण संस्थान (एनआईएम) की टीम के साथ बचाव अभियान में शामिल हुई। . भारतीय वायु सेना के अधिकारियों ने पहले बताया था कि उन्होंने बचाव अभियान के लिए सरसावा और बरेली से दो हेलीकॉप्टर तैनात किए थे, जिसके साथ कई पर्वतारोहियों को लगभग 12,000 फीट पर स्थित बेस कैंप से मटली हेलीपैड तक बचाया गया था।उत्तरकाशी में हिमस्खलन में चार पर्वतारोहियों की जान जाने के एक दिन बाद, कई अभी भी लापता हैं, बचे लोगों ने बुधवार को अपने भयानक अनुभव सुनाए। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान हादसे में बाल-बाल बचे गुजरात के एक प्रशिक्षु दीप ठाकुर ने कहा कि सुबह करीब साढ़े नौ बजे द्रौपदी के डंडा शिखर पर चढ़ने के दौरान अचानक हिमस्खलन आया, जिसके कारण वह साथ अपने साथियों के साथ करीब 60 फीट गहरी खाई में गिरे, जहां करीब 3 घंटे तक वह मौत और जिंदगी के बीच संघर्ष करते रहे।उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को हिमस्खलन की चपेट में आए पर्वतारोहण प्रशिक्षुओं का पता लगाने के लिए चलाए जा रहे बचाव और राहत अभियान का हवाई निरीक्षण भी किया और उत्तरकाशी और पौड़ी गढ़वाल में मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता देने की घोषणा की. मंगलवार को हुई त्रासदी। एक अधिकारी ने बताया, ₹इन दो त्रासदियों से प्रभावित सभी लोगों को मौत के लिए 2 लाख रुपये, गंभीर चोटों के लिए एक लाख रुपये और सामान्य चोटों के लिए 50,000 रुपये की राशि दी जाएगी।₹उत्तरकाशी में हिमस्खलन की दुखद घटना के अलावा, सीएम धामी ने दुर्घटना के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा की, जिसमें पौड़ी-गढ़वाल के धूमाकोट के बिरोखल इलाके में शादी की बारात ले जा रही एक बस के खाई में गिरने से 32 लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग घायल हो गए। मंगलवार की रात जिला।

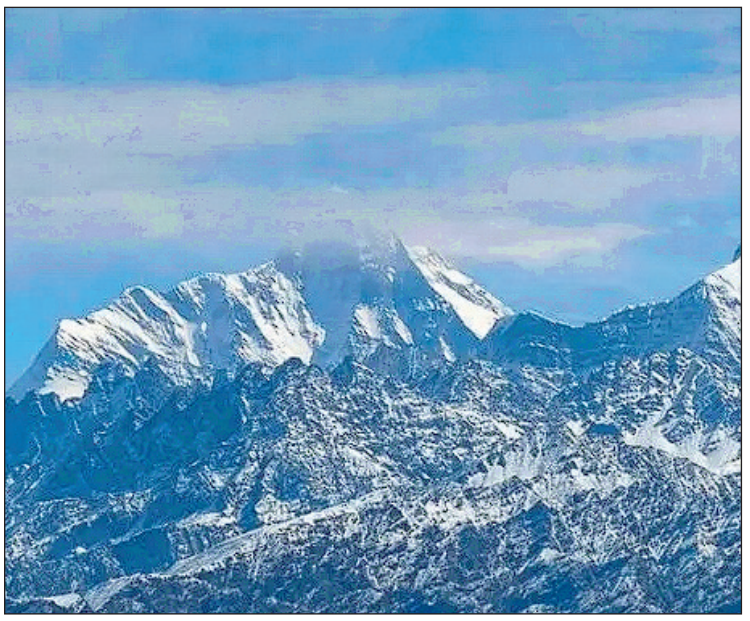

यात्रा के दौरान कंगना रनौत के साथ हुई लूट, जानिए पूरी खबर

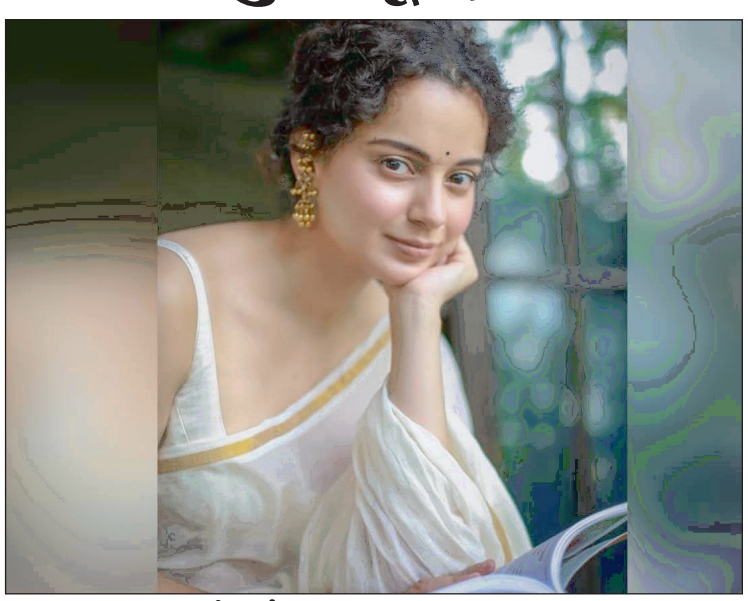

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कंगना रनौत बॉलीवुड की सबसे लोकप्रिय हस्तियों में से एक हैं। हालांकि अभिनेत्री अक्सर अपने विवादास्पद बयानों के लिए सुर्खियां बटोरती हैं, लेकिन वह हिंदी फिल्म उद्योग में बेहतरीन अभिनेताओं में से एक हैं। आपातकालीन अभिनेत्री अपने मन की बात कहने के लिए जानी जाती है और अपनी फिल्मों और साक्षात्कारों के माध्यम से महिला समानता पर अपनी राय भी रखती है। कंगना रनौत की फिल्मों में से एक, क्वीन ने कई महिलाओं को अकेले यात्रा करने और इस पुरुष प्रधान समाज में खुद को खोलने के लिए प्रेरित किया है, बावजूद इसके उन्हें तमाम बाधाओं और कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है।

फिल्म के दृश्यों में से एक में कंगना को सड़कों पर एक डाकू से लड़ते हुए दिखाया गया है क्योंकि बाद में कंगना ने उसका बैग लूटने की कोशिश की। खैर, क्या आप जानते हैं कि कंगना रनौत के साथ उनकी असल जिंदगी में भी ऐसा ही कुछ हुआ था जब वह अकेले यात्रा कर रही थीं? कंगना ने अपने पिछले एक इंटरव्यू के दौरान खुलासा किया था कि कैसे उन्होंने एक सेकंड के एक अंश के भीतर सब कुछ लूट लिया। अपनी फिल्म धाकड़ का प्रचार करते हुए एक मीडिया पोर्टल के साथ एक साक्षात्कार के दौरान, जब मेजबान ने कंगना से अपने बुरे यात्रा अनुभव साझा करने के लिए कहा, तो कंगना ने उस घटना के बारे में बात की जब वह यूरोप की सड़कों पर लूटी गई थी।

उसने आगे कहा, ₹जब मैं ट्रेन में चढ़ी, तो मैंने देखा कि उसने कुछ ही सेकंड में मेरी थैली खाली कर दी थी। सौभाग्य से, मेरा पासपोर्ट मेरे पास था। मैं एक अलग जगह पर थी, और मैं वहां फंस गई थी। इसलिए , मैंने अपनी बहन को बुलाया। और उसने मुझे प्रबंधक के पास रखा।

मुख्यमंत्री ने पीएम मोदी और मंत्री नितिन गडकरी को दिया धन्यवाद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 8 अक्टूबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्य में NH-734 खंड के मुरादाबाद - ठाकुरद्वारा - काशीपुर, मुरादाबाद और काशीपुर बाईपास सहित सेक्शन के सुधार और उन्नयन के कार्य को 2,006.82 करोड़ रुपए की लागत के साथ स्वीकृति दिए जाने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय सडक परिवहन व राजमार्ग मंत्री नीतिन गडकरी का आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन विकास से हाईवे से निश्चित रूप से उत्तराखण्ड में पर्यटन और उद्योगों के विकास को बल मिलेगा । मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में राज्य में कनेक्टीवीटी में अभूतपूर्व काम हुआ है। जिसका लाभ भी राज्य को हो रहा है।

संपादकीय

कम खर्च चिंताजनक

वर्तमान वित्त वर्ष के बजट में आवंटित धन को केंद्रीय मंत्रालयों ने पूरी तरह खर्च नहीं किया है. इसकी मुख्य वजह यह है कि केंद्र सरकार द्वारा समर्थित योजनाओं के लिए जो धन राज्यों को दिये गये थे, उन्हें ठीक से खर्च नहीं किया जा सका है. अब यह धन, जो 80 हजार करोड़ रुपया तक हो सकता है, वापस केंद्र सरकार के राजकोष में आ जायेगा. विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर जो अतिरिक्त खर्च केंद्र सरकार ने किया है, उसकी कुछ भरपाई इस धन से हो सकेगी. एक ओर जहां यह केंद्र सरकार के लिए कुछ राहत की बात है, वहीं इससे यह चिंताजनक संकेत भी मिलता है कि योजनाओं का प्रारूप बनाने तथा समुचित धन हासिल करने के बाद भी मंत्रालय व सरकारें खर्च करने में असमर्थ हैं. इसका सीधा अर्थ यह है कि कई योजनाओं को साकार नहीं किया जा सका है. केंद्रीय उड्डयन मंत्रालय को 10,667 करोड़ रुपये मिले थे, लेकिन अगस्त तक इस रकम का केवल चार प्रतिशत ही खर्च हो सका है. पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पांच, दवा मंत्रालय ने सात, महिला व बाल विकास मंत्रालय ने छह प्रतिशत ही खर्च किया है. शिक्षा मंत्रालय का आंकड़ा 19 फीसदी है. कुछ अन्य मंत्रालयों का भी यही हाल है. कुल मिलाकर केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2023 के बजट आवंटन का 35.2 प्रतिशत ही खर्च किया है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह आंकड़ा 36.7 प्रतिशत था. अनेक राज्यों द्वारा केंद्रीय आवंटन को लौटाने का मामला पुराना है, लेकिन इस प्रवृत्ति पर रोक लगायी जानी चाहिए तथा जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए. केंद्र सरकार के मंत्रालयों को भी बेहद मामूली खर्च का स्पष्टीकरण देना चाहिए. वित्त मंत्रालय ने कहा है कि सरकार अक्टूबर से मार्च के बीच यानी चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में कुल 5.92 लाख करोड़ रुपये की उधारी लेगी. इस तरह के उधार पर ब्याज भी देना होता है और ब्याज दरें बढ़ भी रही हैं. ऐसे में अगर आवंटित रकम खर्च न हो तो, इसका दोहरा नुकसान होता है. एक ओर विकास और कल्याण योजनाएं प्रभावित होती हैं, तो दूसरी तरफ अधिक ब्याज देना पड़ता है. अत्यंत आवश्यक कल्याणकारी योजनाओं के लिए भारत सरकार को बहुत अधिक खर्च करना पड़ रहा है. इसके मद्देनजर कुछ अन्य खर्चों में कटौती की स्थिति भी आ सकती है. आम तौर पर कटौती पिछले साल के खर्च के हिसाब को देखकर होती है. जिन राज्यों और मंत्रालयों द्वारा खर्च की गति धीमी या सुस्त है, उन्हें कटौती का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है.

वर्ण-जाति व्यवस्था को पूरी तरह खत्म कर देना चाहिए, संघ प्रमुख मोहन भागवत ने दी नसीहत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 8 अक्टूबर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि 'वर्ण' और 'जाति' को पूरी तरह से खत्म कर देना चाहिए। नागपुर में एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि जाति व्यवस्था की अब कोई प्रासंगिकता नहीं है।

हाल ही में जारी हुई डॉ मदन कुलकर्णी और डॉ रेणुका बोकारे की किताब ₹वज्रसुची तुंकर का हवाला देते हुए मोहन भागवत ने कहा कि सामाजिक समानता भारतीय परंपरा का एक हिस्सा था, लेकिन इसे भुला दिया गया और इसके हानिकारक परिणाम हुए।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि जो कुछ भी भेदभाव का कारण बनता है, उसे व्यवस्था से बाहर कर देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि पिछली पीढ़ियों ने भारत सहित हर जगह गलतियाँ कीं। आगे भागवत ने कहा कि उन गलतियों को स्वीकार करने में कोई दिक्कत नहीं है जो हमारे पूर्वजों ने गलतियाँ की हैं।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने सितंबर में कई मौलवियों के साथ बैठक की थी और दिल्ली में एक मस्जिद और मदरसे का दौरा भी किया था। जिसके बाद उन्होंने कहा था कि अल्पसंख्यक खतरे में नहीं हैं, हिंदुत्ववादी संगठन उनके डर को खत्म करने के लिए काम करते रहेंगे। जनसंख्या पर बने कानून, कहा था पर्यावरण कितने लोगों को खिला सकता है

वहीं विजयादशमी के अवसर पर नागपुर में आरएसएस के स्थापना दिवस समारोह में मोहन भागवत ने जनसंख्या पर अपनी बात रखी थी। मोहन भागवत ने कहा, देश में जनसंख्या का सही संतुलन जरूरी है। हमें यह ध्यान रखना होगा कि अपने देश का पर्यावरण कितने लोगों को खिला सकता है, कितने लोगों को झेल सकता है। यह केवल देश का प्रश्न नहीं है। जन्म देने वाली माता का भी प्रश्न है। उन्होंने कहा, जनसंख्या की एक समग्र नीति बने, वह सब पर लागू हो। उस नीति से किसी को छूट न मिले।

हल्द्वानी के जंगल में पहली बार ब्लैक जैकाल मिलने का दावा, वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर के कैमरे में हुआ कैद

नैनीताल। हल्द्वानी के निकटवर्ती जंगलों में ब्लैक जैकाल (काला सियार) होने का दावा किया जा रहा है। हल्द्वानी के वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर दीपांकर खुल्बे के मुताबिक 23 सितंबर को हल्द्वानी के समीपवर्ती जंगल में ब्लैक जैकाल देखा गया। उन्होंने इसकी फोटो भी ली। इस बीच मशहूर फोटोग्राफर पद्मश्री अनूप साह ने भी वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट आफ इंडिया के पूर्व निदेशक डा. जेएस रावत के हवाले से बताया कि इस इलाके में ब्लैक जैकाल देखे जाने का यह पहला मामला है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में ब्लैक जैकाल की उपलब्धता की जानकारी है। वाइल्ड फोटाग्राफर दीपांकर खुल्बे में मुताबिक हल्द्वानी के जंगल में पहली बार दुर्लभ हाइब्रिड का ब्लैक जैकाल देखा गया है। करीब छह माह पहले इस जंगल में गोल्डन, सफेद, गोल्डन ब्लैक रंग के सियार देखे गए। जिस जंगल में यह ब्लैक सियार मिला है, उसके निकटवर्ती क्षेत्र में नई आबादी बस रही है। यहां कूड़े के ढेरों के आसपास आवारा कुत्ते व सामान्य सियार अक्सर देखे जाते हैं।

यूक्रेन ने पुतिन के जन्मदिन पर उड़ा डाले 18 रूसी तोपें और 8 टैंक, रूस की निकोपोल में गोलाबारी

कीव, 7 अक्टूबर (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जहां स्थानीय समयानुसार शुक्रवार को अपना 70वां जन्मदिन मना रहे थे वहीं यूक्रेन के साथ जंग में उनकी सेना लगातार कब्जे में आए क्षेत्रों पर से नियंत्रण खोती जा रही थी। उधर, यूक्रेन ने इसी दिन रूस की 18 हॉवित्जर तोपें उड़ा दीं और आठ बड़े टैंक भी नष्ट कर दिए। यूक्रेन की साउथ ऑपरेशनल कमांड ने कहा, रूसी सेना खेरसॉन व माइकोलीव में रक्षात्मक अभियान छेड़े है लेकिन हमारा उत्साह कम नहीं कर पा रही है।

यूक्रेनी सेना ने मोर्टर, टैंक और आईएफवी के साथ जेलेनी ठिकाने पर जबरदस्त जंग छेड़ी हुई है। इसलिए रूस को तर्नोवी पोदी गांव की तरफ पीछे हटने के लिए मजबूर होना पड़ा है। रूसी सेना को यहां बड़ा नुकसान भी उठाना पड़ा। उसके सैनिक भी बड़ी संख्या में हताहत हुए हैं। रूस के छह टोही ओरलॉन-10 और एक महाजर-6 को बेरिस्लाव तथा माइकोलीव क्षेत्रों में गिरा दिया गया।

इसके बाद रूस ने ओडेसा क्षेत्र को निशाना बनाया लेकिन यहां भी उसे काफी क्षति उठानी पड़ी। निकोपोल जिले में रूस ने एक बार फिर एमएलआर प्रणाली द्वारा गोलाबारी की जिससे कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। रूस ने जंगी विमान से माइकोलीव के बेरेजनेहुवाता क्षेत्र में हमला किया। इससे कृषि भूमि प्रभावित हुई।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि शीत युद्ध के बाद पहली बार दुनिया एटमी जंग के मुहाने पर खड़ी है। वहरूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के बीच जंग में परमाणु युद्ध से बचने का रास्ता खोज रहे हैं। बाइडन ने न्यूयॉर्क में डेमोक्रेटिक पार्टी के फंडरेजिंग कार्यक्रम में कहा, हमने 1962 में कैनेडी और क्यूबा के मिसाइल संकट के बाद परमाणु जंग की संभावना का सामना नहीं किया।

बाइडन ने कहा, पुतिन ने जब परमाणु खतरों पर सख्त टिप्पणी की थी तब वे मजाक नहीं कर रहे थे। उन्होंने कहा, मैं पुतिन को अच्छी तरह से जानता हूं। हमें क्यूबा संकट के बाद पहली बार एटमी हथियारों के इस्तेमाल का सीधा खतरा है। इसका कारण है कि यूक्रेन में रूस के पास बहुत कम विकल्प रह गए हैं। ऐसे में पुतिन की धमकी खतरनाक हो सकती है।

ईयू ने रूस पर लगाए नए प्रतिबंध

यूरोपीय संघ (ईयू) ने यूक्रेन के दोनेस्क, लुहांस्क, खेरसॉन और जपोरिझिया क्षेत्रों पर अवैध कब्जे पर रूस के खिलाफ नए पैकेज के तहत पाबंदी लगाई है। ईयू ने अतिरिक्त 30 लोगों और 7 संस्थानों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक उपायों का फैसला किया। इसके अलावा परिषद ने उन सूचीबद्ध मानदंडों को बढ़ाने का फैसला भी लिया जिन पर कुछ खास लोगों के नाम जोड़े जाएंगे। इनमें प्रतिबंधों से निपटने के लिए कोशिश करने वाले लोग शामिल होंगे।

रूस ने क्रेमलिन के आलोचक के विरुद्ध लगाए देशद्रोह के आरोप

यूक्रेन में रूसी सैन्य अभियान के बारे में 'भ्रामक सूचना' देने के आरोप में जेल में बंद प्रमुख विपक्षी कार्यकर्ता के खिलाफ रूस ने देशद्रोह का आरोप लगाया है। विपक्षी कार्यकर्ता के वकील वादिम प्रोखोरोव के अनुसार, विपक्षी नेता व्लादिमीर कारा-मुर्जा जूनियर के खिलाफ आरोप कई पश्चिमी देशों में दिए गए उनके भाषणों के आधार पर लगाए गए हैं। इनमें क्रेमलिन के शासन की आलोचना की गई थी। जबकि इन भाषणों से देश को कोई खतरा नहीं था।

पहाड़ में शुरू हुआ गढ़ भोज दिवस, मंत्री जी ने परोसी थाली

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 7 अक्टूबर। हिमालय पर्यावरण जड़ी बुटी एग्रो संस्थान के द्वारा देहरादून के नेताजी सुभाष चन्द्र बोस बालिका आवासीय छात्रावास मे प्रथम गढ़ भोज दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत जी के द्वारा मिड डे मिल मे गढ़ भोज को शामिल किया गया। शिक्षा मंत्री ने छात्रो को गढ़ भोज की थाली परोसी व खुद भी छात्रो के साथ गढ़ भोज खाया। इस अवसर पर उन्होनें जाड़ी संस्थान के द्वारा वर्ष 2000 से उत्तराखंड के पारम्परिक भोजन को पहचान व थाली का हिस्सा बनाने के लिये चलाये जा रहे गढ़ भोज अभियान की सराहना की।

उन्होने कहा की उत्तराखंड 52 गढ़ो का प्रदेश है। गढ़ भोज मे 52 गढ़ो की फसलो, परंपराओ व स्वाद का समावेश है। हमारे प्रदेश मे कई वीर भड़ हुये है सभी गढ़ भोज खा के स्वस्थ तंदुरुस्त रहे। आज से उत्तराखण्ड के हर विधालय मे सप्ताह के एक दिन गढ़ भोज बनेगा। जो हमारे स्वस्थ व समृद उत्तराखंड की कल्पना को साकार करेगा। हमारा भोजन दुनिया के भोजन से सर्वोतम भोजन है। भोजन की दुनिया में आने वाली सदी मे गढ़ भोज की होगी।शिक्षा मंत्री ने डा. अरविन्द दरमोडा की लिखी पुस्तक गढ़ भोज एक दृषि व स्कूली पाठ्यक्रम के लिये द्वारिका प्रसाद सेमवाल द्वारा लिखी गढ़ भोज उत्तराखंड का परंपरागत भोजन पुस्तक का विमोचन किया। आने वाले समय मे गढ़ भोज दिवस भोजन के उत्सव के रूप मे जाना जायेगा। गढ़ भोज दिवस को अगले वर्ष स्वयं स्कूल-कालेज के माध्यम से मनाएगी।

पद्मश्री कल्याण सिह रावत ने कहा की द्वारिका प्रसाद सेमवाल ने गढ़ भोज अभियान के माध्यम से उत्तराखंड के भोजन को मुख्यधारा से जोड़ने का एतिहासिक कार्य किया। इस अवसर पर गढ़ भोज अभियान के प्रणेता द्वारिका प्रसाद सेमवाल ने कहा की 21 साल के संघर्ष को शिक्षा मंत्री ने मिड डे मिल में शामिल कर गढ़ भोज अभियान को स्वीकार्यता दी। आज मनाया गया गढ़ भोज दिवस नई पीडी को अपनी जड़ो से जुड़ने का माध्यम बनेगा। वर्ष मे एक दिन एसा हो जब प्रदेश भर मे एक साथ भोजन का उत्सव मनाये अपने परंपरागत भोजन के बारे मे जानकारी जुटाये व दस्तावेजीकरण करे इस उदेश्य से गढ़ भोज दिवस मनाना शुरू किया गया। इस अवसर पर शिक्षा निदेशक श्री वंशीधर तिवारी ने कहा की गढ़ भोज नई पीडी को जड़ो से जोड़ने व बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढाने का सबसे सरल उपाय हो सकता है। गढ़ भोज से स्वस्थ के साथ आर्थिकी भी समृद्ध होगी। इस अवसर पर छात्रावास के बच्चों ने सास्कृतिक प्रस्तुति भी दी। शिक्षा मंत्री द्वारा विभिन्न विधालय मे गढ़ भोज अभियान से जुडकर बेहतरीन कार्य करने वाले शिक्षको व समाजिक कार्यकर्ताओ का सम्मान किया गया- सुरक्षा रावत रा. ई. कालेज श्री कालखाल उत्तरकाशी, चैत राम सेमवाल टिहरी, संजीव सेमवाल टिहरी, आलोक बिजल्वाण आराकोट, विकास पंत पौड़ी, संदीप उनियाल रेणुका समिति उत्तरकाशी, लता नौटियाल नोगावँ, शिवम देहरादून।इस अवसर पर डा.अरविन्द दरमोडा, विकास पंत, गंगा बहुगुणा,प्रो मोहन सिंह पंवार, मुख्य शिक्षा अधिकारी मुकुल सती, वार्डन संगीता तोमर, नरेश नौटियाल,सुरक्षा रावत, संदीप उनियाल, विनोद कुमार पंत, जितेंद्र नौटियाल, डा सन्तोष, एच सी पुरोहित, वीना रातुड़ी, एम एस रावत कुलपति गरूराम राय विश्वविधालय, प्रो.यतीश वशिष्ट, पूर्व वन संरक्षक जयराज, स्वामी अदेत्यनन्द लक्ष्मोली, छात्र छात्रो सहित सैकड़ो लोगो ने प्रतिभाग किया।# इस अवसर पर लाल चावल, झगोरे की खीर, चौसा, माण्ड का सूप, मडुए की पुड़ी व राजमा बनाई गई ।

महिलाओं, बालिकाओं और बच्चों को समाज की मुख्यधारा में लाना है : रेखा आर्या

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 7 अक्टूबर। महिला एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने राजकीय महिला कल्याण एवं पुर्नवास केन्द्र (मानसिक) में नवनिर्मित 40 बैड के शयनकक्षों एवं राजकीय बाल गृह केदारपुरम (देहरादून) में नवनिर्मित 20 बैड के शयन कक्षों का लोकार्पण करते हुए मानसिक रूप से विक्षिप्त एवं ग्रसित दिव्यांग महिलाओं को बेहतर सुविधाएँ देने का एलान किया है। महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या राजकीय महिला एवं पुर्नवास केन्द्र पहुंची जहाँ उन्होंने महिला एवं पुर्नवास केन्द्र (मानसिक) में नवनिर्मित 40 बैड के शयन कक्षों एवं राजकीय बाल गृह, केदारपुरम देहरादून में नवनिर्मित 20 बैड के शयन कक्षों का लोकार्पण किया। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने इस दौरान कहा की मानसिक रूप से विक्षिप्त एवं ग्रसित दिव्यांग महिलाओं को बेहतर सुविधाएँ मिल सके इस उद्देश्य के साथ इन कमरों का निर्माण किया गया है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में संस्था में 105 महिलांए निवासरत है। वर्तमान में भवन में संवासियों के सुव्यवस्था के दृष्टिगत रू० 143.10 लाख (रू० एक करोड़ तैंतालीस लाख चालीस हजार मात्र) की लागत से 40 बैड के शयन कक्षों का निर्माण व अतिरिक्त कार्य कराया गया हैं।

वहीं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने राजकीय बाल गृह, केदारपूरम में नवनिर्मित 20 बैड के शयन कक्षों का भी लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि महिला कल्याण के अन्तर्गत जनपद देहरादून में राजकीय महिला कल्याण एवं पुनर्वास केन्द्र (मानसिक) में 18 वर्ष से अधिक उम्र की निराश्रित, अनाथ, बेसहारा, शारीरिक / मानसिक रूप दिव्यांग महिलाओं हेतु आवासीय संस्था का संचालन किया जा रहा है जिसमें मानसिक रूप से विक्षिप्त एवं मानसिक रोग से ग्रसित दिव्यांग महिलाओं की समुचित देखरेख एवं संरक्षण व उनके भरण पोषण, पैरामेडिकल सुविधा, शिक्षा, आवास, कौशल विकास, सहायक उपकरण इत्यादि की सुविधा उपलब्ध करायी जाती हैं। वर्तमान में संस्था में 105 महिलांए निवासरत है। वर्तमान में भवन में संवासियों के सुव्यवस्था के दृष्टिगत रू० 143.10 लाख (रू० एक करोड़ तैंतालीस लाख चालीस हजार मात्र) की लागत से 40 बैड के शयन कक्षों का निर्माण व अतिरिक्त कार्य कराया गया हैं।

साथ ही कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि राजकीय बाल गृह जिसमें 11-18 आयुवर्ग की बालिकाओं हेतु विभाग द्वारा 50 स्वीकृत क्षमता की आवासीय संस्था का संचालन किया जा रहा है जिसमें अनाथ, निराश्रित, बेसहारा, उपेक्षित, दिब्यांग बालिकाओं की देखरेख एवं संरक्षण तथा पुनर्वासित किये जाने की दृष्टि से आवासीय संस्थाओं में अध्यासित किया जाता है। वर्तमान में उक्त संस्था में 16 बालिकाओं को रखा गया है जिन्हें निःशुल्क आवास, भोजन, वस्त्र व चिकित्सा सुविधाओं के साथ-साथ उनके शिक्षण एवं प्रशिक्षण की व्यवस्था है।जानकारी देते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि समस्त बालिकाएं नजदीकी विद्यालय में जाकर शिक्षा ग्रहण कर रही है। राजकीय बाल गृह (बालिका) में निवासरत बालिकाओं हेतु परिसर में आज 20 बैड का शयन कक्ष जो की 126.79 लाख रू0 (एक करोड़ छब्बीस लाख उन्यासी हजार रुपये मात्र) की लागत से बना है !इस अवसर पर सचिव हरि चंद सेमवाल ,निदेशक महिला कल्याण प्रदीप सिंह रावत , मुख्य प्रोवेशन अधिकारी मोहित चौधरी ,जिला प्रोवेशन अधिकारी मीना बिष्ट सहित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा